अवैध निर्माण | बोहता में नाला पाटकर काटे जा रहे प्लॉट, राजस्व अमला बना मूकदर्शक!

कलेक्टर के आदेश हवा में, भूमाफिया के हौसले बुलंद

नवभारत,कटनी। जिले में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ प्रशासनिक सख्ती के दावों के बीच ग्राम बोहता में सामने आए मामले ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर जिला प्रशासन द्वारा प्राकृतिक जल स्रोतों, नदी-नालों और उनके आसपास विकसित हो रही अवैध कॉलोनियों की जांच के निर्देश दिए गए हैं, वहीं दूसरी ओर नेशनल हाईवे-30 बायपास से लगे बोहता क्षेत्र में कथित रूप से कृषि भूमि का स्वरूप बदलकर अवैध प्लाटिंग किए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं।

नाला पाटकर बनाया रास्ता कार्रवाई का इंतजार

जानकारी के अनुसार पटवारी हल्का क्रमांक-4 अंतर्गत खसरा नंबर 59 एवं 60/4, 60/5 की लगभग चार एकड़ भूमि पर प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा है। आरोप है कि प्लॉटों तक पहुंच बनाने के लिए हाईवे से लगे प्राकृतिक नाले का स्वरूप बदलते हुए उसे पाटकर सड़क तैयार की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसके बाद भूमि का विभाजन कर प्लॉटों की बिक्री की तैयारी भी शुरू कर दी गई है। प्रश्न यह उठता है कि यदि किसी सामान्य नागरिक द्वारा शासकीय भूमि अथवा नाले पर मामूली अतिक्रमण किया जाए, तो तत्काल नोटिस और कार्रवाई होती है, लेकिन बड़े पैमाने पर प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था से छेड़छाड़ के आरोपों के बावजूद प्रशासनिक कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई दे रही है।

पहले पेड़ कटे, अब नाले निगले जा रहे

स्थानीय सूत्रों का दावा है कि संबंधित भूमाफिया पूर्व में भी विवादों में रह चुका है। केलवारा क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग के लिए सागौन सहित इमारती लकड़ियों के पेड़ों की कटाई तथा अन्य स्थानों पर प्राकृतिक नालों के स्वरूप में परिवर्तन कर भूमि के व्यावसायिक उपयोग के आरोप लगते रहे हैं। हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र के पीछे पहाड़ियों और हरित क्षेत्र में भी अवैध प्लाटिंग को लेकर चर्चाएं होती रही हैं। इन मामलों में प्रभावी कार्रवाई न होने से आमजन के बीच प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

राजस्व अमले की भूमिका पर सवाल

सबसे अधिक प्रश्न राजस्व विभाग की कार्यशैली को लेकर उठ रहे हैं। जिस क्षेत्र में कथित प्लाटिंग की जा रही है वह कोई दूरस्थ स्थान नहीं, बल्कि हाईवे से सटा प्रमुख क्षेत्र है। सड़क निर्माण, भूमि का समतलीकरण, प्लॉटों की मार्किंग और बिक्री की चर्चाओं के बावजूद संबंधित राजस्व अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। जनता का सवाल है कि क्या राजस्व अमला अपने क्षेत्र में हो रही गतिविधियों से अनभिज्ञ है, या फिर कहीं न कहीं संरक्षण की स्थिति बनी हुई है। यदि जानकारी नहीं थी तो यह गंभीर लापरवाही है और यदि जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई तो यह और भी चिंताजनक विषय है।

कलेक्टर के निर्देशों को चुनौती?

हाल ही में जिला कलेक्टर द्वारा प्राकृतिक जल स्रोतों और नदी-नालों के आसपास की अवैध प्लाटिंग की जांच के निर्देश दिए गए थे। ऐसे में बोहता क्षेत्र में सामने आए आरोप प्रशासनिक निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो यह न केवल पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन होगा, बल्कि प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना भी मानी जाएगी।

जनहित से जुड़ा गंभीर मामला

विशेषज्ञों का मानना है कि प्राकृतिक नालों, जल निकासी मार्गों, हरित क्षेत्रों और कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग का असर भविष्य में जलभराव, पर्यावरणीय क्षति और अव्यवस्थित शहरी विकास के रूप में सामने आ सकता है। इसलिए ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच और समयबद्ध कार्रवाई आवश्यक है। अब निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस मामले में जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाता है।

अवैध मुरुम खनन पर सवाल, विभागीय कार्रवाई पर उठ रहे प्रश्न

नवभारत, कटनी। जिले में अवैध मुरुम खनन को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय ग्रामीणों और सूत्रों का आरोप है कि कई क्षेत्रों में बिना वैध अनुमति के मुरुम का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है, जिससे शासन को राजस्व हानि होने की आशंका है।

आरोप है कि देर रात जेसीबी और अन्य भारी मशीनों की मदद से मुरुम निकाली जाती है तथा हाइवा वाहनों के माध्यम से उसका परिवहन किया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय ओवरलोड वाहनों की आवाजाही से सड़कों को नुकसान पहुंच रहा है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभाग को जानकारी होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। उनका मानना है कि नियमित जांच और सख्त कार्रवाई से अवैध खनन पर रोक लगाई जा सकती है।

हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो यह न केवल खनिज संपदा के अवैध दोहन का मामला होगा, बल्कि शासन के राजस्व को भी नुकसान पहुंचाने वाला गंभीर विषय साबित हो सकता है।

अब लोगों की निगाहें प्रशासन और खनिज विभाग पर टिकी हैं कि वे शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करते हैं या नहीं।

9 जून को नगर निगम में आयोजित होगी महापौर जनसुनवाई

नवभारत कटनी। शहरवासियों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से आयोजित की जा रही महापौर जनसुनवाई अब एक भरोसेमंद और प्रभावी व्यवस्था के रूप में स्थापित हो चुकी है। यह पहल नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित कर समाधान की प्रक्रिया को सरल और तेज बना रही है। इसी क्रम में 9 जून, मंगलवार को प्रात: 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक नगर निगम के मेयर इन काउंसिल सभागार में महापौर जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान शहर के नागरिक अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन लेकर सीधे महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के समक्ष उपस्थित होकर अपनी बात रख सकेंगे। महापौर श्रीमती सूरी ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को सुगम, सहज और समयबद्ध समाधान उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि जनसुनवाई के माध्यम से न केवल समस्याओं को प्राथमिकता से सुना जाता है, बल्कि संबंधित विभागों को मौके पर ही निर्देश देकर उनके त्वरित निराकरण की प्रक्रिया भी शुरू की जाती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नगर निगम प्रशासन लगातार इस दिशा में प्रयासरत है कि नागरिकों को अलग-अलग शाखाओं के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि एक ही स्थान पर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित हो सके। महापौर श्रीमती सूरी ने शहरवासियों से अपील की है कि मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत कर नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराई जा रही इस जनहितकारी व्यवस्था का लाभ प्राप्त करें।

बस स्टैंड की होटलों में फिर शुरू हुई शराबखोरी

पुलिस कार्रवाई के बाद आबाद हुए अवैध बियरबार

अपराधिक वारदातों का अंदेशा, लोगों ने की कार्रवाई की मांग

नवभारत,कटनी। बस स्टैंड क्षेत्र में स्थित भोजनालयों में शराब परोसे जाने की सूचना मिलने पर पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की थी। जिससे कुछ दिन के लिए भोजनालयों में अवैध गतिविधियों पर रोक लग गई थी लेकिन अब एक बार फिर भोजनालयों में अवैध गतिविधियों के शुरू होने की शिकायतें सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक इन होटलों में बकायदा ग्राहकों को भोजन के साथ शराब परोसकर मुनाफा कमाया जा रहा है। अवैध तरीके से चल रहे इन बियर बार पर एक बार फिर कार्रवाई की आवाज उठ रही है। बस स्टैंड क्षेत्र के दुकानदारों और व्यवसायियों का कहना है कि होटलों में शराब की बिक्री होने से पूरे बस स्टैंड का माहौल खराब हो रहा है। इन भोजनालयों में ग्राहकों को देर रात तक शराब परोसी जा रही है। जिससे हर समय घटनाएं घटित होने का अंदेशा बना हुआ है। विदित हो कि पूर्व में बस स्टैंड क्षेत्र में कई

अपराधिक वारदातें भी घटित हो चुकी हैं

सीएसपी ने मारा था छापा गौरतलब है कि कुछ दिन पहले बस स्टैंड स्थित गुप्ता भोजनालय में ग्राहकों को बिठाकर शराब परोसे जाने की सूचना मिलने पर सीएसपी नेहा पच्चीसिया ने पुलिस टीम के साथ अचानक दबिश दी थी। टीम ने जैसे ही कार्रवाई शुरू की, भोजनालय के अंदर मौजूद कई लोग मौके से भाग निकले, जबकि कुछ ने जल्दबाजी में अपना सामान छोड़ दिया। इस दौरान गुप्ता भोजनालय से शराब और बियर की बोतलें जब्त करते हुए कार्रवाई की गई थी।

कई सालों से चल रही अवैध गतिविधियां

स्थानीय लोगों ने कहा कि बस स्टैंड जैसे व्यस्त सार्वजनिक क्षेत्र में स्थित गुप्ता भोजनालय में लंबे समय से इस तरह की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिससे क्षेत्र की शांति व्यवस्था प्रभावित हो रही है। नागरिकों ने कहा कि पहले भी इस तरह की शिकायतें की गई थीं, लेकिन कार्रवाई नहीं होने से अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिलता रहा।

अवैध बोरवेल खनन पर पुलिस की कार्रवाई, बोरिंग मशीन जब्त

नवभारत,ढीमरखेड़ा। अवैध बोरवेल खनन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत उमरियापान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बोरिंग मशीन जब्त कर तीन आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा एसडीओपी स्लीमनाबाद के निर्देशन में थाना प्रभारी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम टोला निवासी छोटू लोधी अपने घर की बाड़ी में बिना सक्षम अनुमति के बोरवेल खनन करा रहा है।

सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां बोरिंग मशीन क्रमांक "च्र-01-रू11-6166 से खनन कार्य करते हुए चालक रामभजन कोल निवासी ग्राम मझौली, थाना सिहोरा मिला। पुलिस द्वारा अनुमति संबंधी दस्तावेज मांगने पर वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में उसने बताया कि वह मशीन एजेंट रामभूषण मिश्रा निवासी ग्राम हरदुआ, थाना सिहोरा के कहने पर मजदूरी पर कार्य कर रहा था।

पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए बोरिंग मशीन जब्त कर ली। जांच में कलेक्टर के आदेश का उल्लंघन पाए जाने पर थाना उमरियापान में अपराध क्रमांक 179/2026 दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया है।

पुलिस ने इस मामले में मशीन चालक रामभजन कोल, मकान मालिक छोटू लोधी तथा मशीन एजेंट रामभूषण मिश्रा के विरुद्ध धारा 223 बीएनएस एवं मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 9 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

कार्रवाई में थाना प्रभारी महेंद्र जायसवाल के निर्देशन में सउनि कोदूलाल दाहिया एवं सउनि गयाप्रसाद मंगोरे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति किए जाने वाले बोरवेल खनन के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अनोखा प्रदर्शन लाया रंग, बेशरम के पौधे रोपे जाने के बाद जागा लोक निर्माण विभाग

नवभारत कटनी। सड़क की जर्जर हालत और प्रशासन की बेरुखी के खिलाफ जब जनता का सब्र टूटा, तो उन्होंने विरोध का एक ऐसा अनोखा तरीका अपनाया जिसने आखिरकार सोए हुए लोक निर्माण विभाग को जगा ही दिया। कैमोर-कटनी देवरीमझगवा मुख्य मार्ग पर जानलेवा बन चुके गड्ढों में स्थानीय निवासियों द्वारा बेसरम के पौधे रोपे जाने के बाद विभाग हरकत में आया है। खबर मिलते ही लोक निर्माण विभाग ने आनन-फानन में मार्ग के गड्ढों को भरने का कार्य शुरू कर दिया है।

क्या था पूरा मामला?

कैमोर से कटनी को जोड़ने वाला देवरीमझगवा मार्ग लंबे समय से बदहाली का आंसू रो रहा था। सड़क पर इतने बड़े और गहरे गड्ढे हो चुके थे कि राहगीरों का पैदल चलना भी दूभर था। आए दिन दुपहिया वाहन चालक इन गड्ढों के कारण दुर्घटना का शिकार हो रहे थे। स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों द्वारा कई बार शिकायत करने के बावजूद जब विभाग के कानों पर जूं नहीं रेंगी, तो ग्रामीणों ने विरोध का अनूठा रास्ता चुना।

ग्रामीणों ने सड़क के बीचों-बीच बने बड़े गड्ढों में मिट्टी डालकर लगाए थे पौध

के पौधे लगा दिए। यह प्रदर्शन सोशल मीडिया और स्थानीय हलकों में चर्चा का विषय बन गया, जो सीधे तौर पर विभाग की बेशर्मी और उदासीनता पर करारा व्यंग्य था।

जागी कुंभकर्णी नींद, शुरू हुआ सुधार कार्य

बेसरम के पौधे रोपने की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद लोक निर्माण विभाग के आला अधिकारियों में खलबली मच गई। अपनी फजीहत होते देख विभाग ने तुरंत संज्ञान लिया और गिट्टी,मुरुम और डस्ट व मजदूरों की टीम भेजकर सड़क के गड्ढों को भरने का काम युद्धस्तर पर शुरू करवाया। फिलहाल, इस अनोखे प्रदर्शन और उसके बाद विभाग की त्वरित कार्रवाई ने यह साबित कर दिया है कि अगर जनता एकजुट होकर अपनी आवाज उठाए, तो प्रशासन को झुकना ही पड़ता है। अनोखा प्रदर्शन लाया रंग, कैमोर-कटनी देवरीमझगवा मार्ग पर बेसरम के पौधे रोपे जाने के बाद जागा लोक निर्माण विभाग, गड्ढे भरने का काम शुरू सड़क की जर्जर हालत और प्रशासन की बेरुखी के खिलाफ जब जनता का सब्र टूटा, तो उन्होंने विरोध का एक ऐसा अनोखा तरीका अपनाया जिसने आखिरकार सोए हुए लोक निर्माण विभाग को जगा ही दिया। कैमोर-कटनी देवरीमझगवा मुख्य मार्ग पर जानलेवा बन चुके गड्ढों में स्थानीय निवासियों द्वारा बेसरम के पौधे रोपे जाने के बाद विभाग हरकत में आया है। खबर मिलते ही लोक निर्माण विभाग ने आनन-फानन में मार्ग के गड्ढों को भरने का कार्य शुरू कर दिया है। हालांकि विभाग द्वारा काम शुरू किए जाने से राहगीरों ने थोड़ी राहत की सांस ली है, लेकिन स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह केवल तात्कालिक लीपापोती है।

स्थानीय लोगों की मांग : गड्ढा भराई सिर्फ लीपापोती नहीं हो, मिले स्थायी समाधान

हालांकि विभाग द्वारा काम शुरू किए जाने से राहगीरों ने थोड़ी राहत की सांस ली है, लेकिन स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह केवल तात्कालिक लीपापोती है। बारिश के मौसम में गिट्टी,मुरुम और डस्ट बह जाएगी और स्थिति जस की तस हो जाएगी। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस मुख्य मार्ग का पूरी तरह से डामरीकरण किया जाए ताकि भविष्य में दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

गहोई वैश्य महिला समिति का अन्नदान और दीपदान कार्यक्रम

नवभारत कटनी। गहोई वैश्य महिला समिति द्वारा पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर अन्नदान एवं भव्य दीपदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन समिति की अध्यक्ष सीमू गांधी के नेतृत्व में किया गया। आचार्य निलेश पाठक के मार्गदर्शन में अन्नदान और दीपदान का संकल्प कराया गया। अन्नदान के माध्यम से मानव सेवा का संदेश दिया गया, वहीं दीपदान के दौरान मंदिर परिसर दीपों की रोशनी से आलोकित होकर भक्ति भाव से भर गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समिति की सदस्याएं, समाजजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से दीपदान कर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति प्राप्त की। समाज के कई वरिष्ठजनों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही, जिनमें डॉ. हजारीलाल नौगरहिया, अशोक सेठिया, राजेश बरसैंया, पुरुषोत्तम टंडन, राजकुमार गांधी, धर्मदास चौधरी, गुड्डू दुड़हा, सुधीर कनकने, प्रशांत सेठिया, अतुल बिलैया, अनुराग सरावगी, हितेश बिलैया, विनय कंदेले सहित अन्य समाजजन शामिल रहे। मंदिर ट्रस्टी बेबू चौधरी एवं रामेश्वर चौधरी के सानिध्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। वहीं बजरंग बाल रामायण समाज के अध्यक्ष नरेंद्र खंतवाल के सहयोग से सामूहिक दीपदान संपन्न कराया गया।

आरोप | MSW की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, निगम प्रशासन की निगरानी पर भी चर्चा

कचरे में मिट्टी मिलाकर बढ़ाया जा रहा वजन? कैमरा देखते ही मौके से हटे कर्मचारी

नवभारत, कटनी। नगर निगम कटनी के लिए कचरा संग्रहण का कार्य कर रही एजेंसी की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। रविवार दोपहर दुर्गा चौक क्षेत्र के समीप खोरेहनी गांव में एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने कचरा प्रबंधन व्यवस्था की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक वाहन (लोडर) में जेसीबी मशीन की सहायता से मिट्टी भरी जा रही थी। आरोप है कि यह कार्य वाहन का वजन बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा था। बताया जाता है कि जैसे ही मीडिया प्रतिनिधियों ने मौके पर कैमरा चालू किया, वहां मौजूद कर्मचारी कार्य अधूरा छोड़कर हट गए।

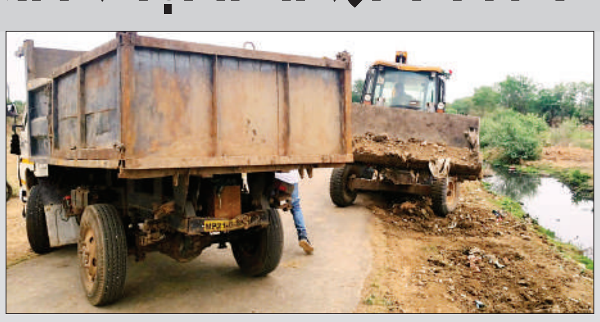

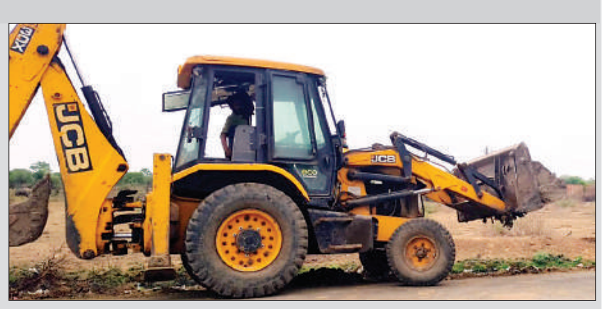

घटना के संबंध में जब MSW के जिम्मेदार अधिकारियों से जानकारी ली गई तो उनका कहना था कि वाहन क्षेत्र में निरीक्षण और परीक्षण के लिए गए थे तथा मिट्टी और कचरे की स्थिति की जांच की जा रही थी। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यह केवल निरीक्षण था तो फिर जेसीबी से वाहन में मिट्टी भरने की आवश्यकता क्यों पड़ी, यह जांच का विषय है। इधर, मामले को नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार के संज्ञान में भी लाया गया, लेकिन उनका पक्ष सामने नहीं आ पाया। गौरतलब है कि नगर निगम द्वारा शहर के कचरा संग्रहण एवं परिवहन कार्य के लिए एजेंसी को प्रतिमाह लाखों रुपये का भुगतान किया जाता है। ऐसे में यदि कचरे के वजन में कृत्रिम वृद्धि करने जैसी गतिविधियां सामने आती हैं तो इससे न केवल सरकारी धन के उपयोग पर सवाल खड़े होते हैं, बल्कि पूरे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तंत्र की विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। स्थानीय नागरिकों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह होगा कि नगर निगम प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेकर जांच कराता है या नहीं।

ढीमरखेड़ा थाने की कमान अब महिमा रघुवंशी के हाथ, पुलिस अधीक्षक ने किए कई फेरबदल

नवभारत,ढीमरखेड़ा। जिला पुलिस महकमे में लंबे समय से प्रतीक्षित प्रशासनिक फेरबदल रविवार देर शाम सामने आया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिनय विश्वकर्मा द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश के तहत कई थाना प्रभारियों के दायित्वों में बदलाव किया गया है। इसके साथ ही पुलिस मुख्यालय के निर्देशों का पालन करते हुए एक ही स्थान पर पांच वर्ष से अधिक समय से पदस्थ अन्य पुलिसकर्मियों का भी स्थानांतरण कर दिया गया है।

ढीमरखेड़ा थाने में फेरबदल करते हुए कानून-व्यवस्था को नया नेतृत्व दिया गया है: अभिषेक चौबे ढीमरखेड़ा थाना प्रभारी को अब विजयराघवगढ़ थाने का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। कार्यवाहक निरीक्षक महिमा रघुवंशी को रिक्त हुए ढीमरखेड़ा थाने की कमान सौंपी गई है।

पुलिस मुख्यालय के कड़े नियमों का पालन करते हुए, जिले के विभिन्न थानों और चौकियों में 5 साल से अधिक का कार्यकाल पूरा कर चुके पुलिसकर्मियों को भी हटा दिया गया है। एसपी ने सभी स्थानांतरित कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए पदस्थापना स्थल पर आमद (जॉइन) देने के निर्देश जारी किए हैं।

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा की इस त्वरित कार्रवाई को जिले में प्रशासनिक पारदर्शिता, कार्यकुशलता और कानून-व्यवस्था को अधिक प्रभावी व दुरुस्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। आदेश जारी होने के तुरंत बाद ही नवनियुक्त थाना प्रभारियों ने अपनी-अपनी नई जिम्मेदारी संभालने और पदभार ग्रहण करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।